

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले एकनाथ शिंदे की सख्त एडवाइजरी, शिवसेना नेताओं को दिए अहम निर्देश

Publisher

Published on 01 Oct 2025



महाराष्ट्र में राजनीतिक सरगर्मी एक बार फिर बढ़ गई है। स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों ने राज्य की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है। इसी बीच मुख्यमंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) प्रमुख एकनाथ शिंदे ने पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों को एक सख्त एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने साफ किया है कि अब चुनावी माहौल में कोई भी लापरवाही या विवादित बयानबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिंदे ने यह भी कहा है कि आने वाले स्थानीय निकाय चुनाव शिवसेना की साख के लिए बेहद अहम हैं और इन्हें हल्के में लेना पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

शिंदे ने पार्टी जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को हिदायत दी है कि वे किसी भी तरह का गैरजरूरी या विवादित बयान देने से बचें। उनका कहना है कि ऐसे बयानों से सहयोगी दलों के साथ तालमेल बिगड़ सकता है और विपक्ष को हमले का मौका मिल सकता है। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि शिंदे की यह एडवाइजरी भाजपा और अन्य सहयोगियों के साथ गठबंधन की मजबूती को ध्यान में रखते हुए आई है। चूंकि निकाय चुनावों में सहयोगी दलों के बीच सीटों का बंटवारा और तालमेल अहम भूमिका निभाने वाला है, ऐसे में बयानबाजी से उत्पन्न विवाद किसी भी तरह से गठबंधन के लिए कठिनाई खड़ी कर सकता है।

मुख्यमंत्री शिंदे ने यह भी स्पष्ट किया है कि पार्टी का हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्थानीय चुनावों को गंभीरता से ले। उन्होंने कहा कि ये चुनाव जनता के बीच पार्टी की ताकत और लोकप्रियता को सीधे तौर पर परखने वाले हैं। स्थानीय निकायों में जीत हासिल करना न केवल संगठन की मजबूती दिखाएगा बल्कि आने वाले बड़े चुनावों के लिए भी शिवसेना की स्थिति को मजबूत करेगा।

राजनीतिक पंडितों के अनुसार, यह एडवाइजरी शिवसेना (शिंदे गुट) की रणनीति का हिस्सा है। दरअसल, महाराष्ट्र में नगर निगम और पंचायत चुनावों के जरिए जमीनी स्तर पर जनाधार का आकलन किया जाता है। इन चुनावों में प्रदर्शन ही आगे विधानसभा और लोकसभा चुनावों में वोटों की दिशा तय कर सकता है। यही कारण है कि शिंदे गुट इन चुनावों में कोई भी जोखिम नहीं लेना

चाहता ।

शिंदे गुट के कई नेता हाल ही में अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं । इनमें से कुछ बयानों ने राजनीतिक विवाद भी खड़े किए, जिन्हें संभालने के लिए सहयोगी दलों को सफाई देनी पड़ी । इसी पृष्ठभूमि में शिंदे ने यह सख्त हिदायत जारी की है । उन्होंने कहा है कि जनता से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया जाए और चुनावी रणनीति में संगठनात्मक मजबूती को प्राथमिकता दी जाए ।

इस एडवाइजरी का एक और बड़ा संदेश यह है कि शिंदे गुट अब पूरी तरह से अनुशासन और संगठनात्मक एकजुटता पर जोर देना चाहता है । पिछले कुछ वर्षों में शिवसेना के भीतर जो राजनीतिक उठापटक हुई है, उसके बाद यह गुट अब स्थिरता और नेतृत्व की सख्ती दिखाने की कोशिश कर रहा है । इससे कार्यकर्ताओं को यह संदेश देना भी जरूरी था कि नेतृत्व चुनावों को गंभीरता से ले रहा है और सभी को उसी दिशा में काम करना होगा ।

स्थानीय निकाय चुनाव महाराष्ट्र की राजनीति में हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं । चाहे मुंबई महानगरपालिका का चुनाव हो या पुणे, नागपुर और ठाणे जैसी बड़ी नगर निगमों का, इन चुनावों में जीत हासिल करना किसी भी दल के लिए राजनीतिक ताकत का पैमाना साबित होता है । शिवसेना की परंपरागत पकड़ मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में रही है । ऐसे में शिंदे गुट के लिए यह चुनाव अपनी पहचान बनाए रखने और मजबूती दिखाने का बड़ा मौका है ।

शिंदे ने अपने निर्देशों में यह भी कहा कि पदाधिकारी केवल संगठन और जनता के मुद्दों पर बात करें । विकास कार्य, स्थानीय समस्याओं के समाधान और जनता से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए । उन्होंने कहा कि यह समय किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत राजनीति या विवादित बयानबाजी का नहीं है ।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि आने वाले हफ्तों में शिंदे खुद कई जिलों का दौरा करेंगे और चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगे । इस दौरान उम्मीदवारों के चयन से लेकर बूथ स्तर तक की रणनीति पर चर्चा होगी । शिंदे गुट इस बार चुनाव प्रचार में पूरी तरह से संगठित तरीके से उतरने की तैयारी कर रहा है ।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि शिंदे की इस एडवाइजरी का सीधा संदेश विपक्ष को भी गया है । वे यह दिखाना चाहते हैं कि उनका गुट अब किसी भी तरह की ढीलाई या विवाद को बर्दाश्त करने वाला नहीं है । इससे शिवसेना की छवि एक अनुशासित और संगठित पार्टी के रूप में उभरकर सामने आ सकती है ।

आखिरकार, यह एडवाइजरी केवल एक चेतावनी भर नहीं है बल्कि यह शिंदे गुट की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा है । यह कदम यह भी दर्शाता है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे न केवल सरकार चलाने में बल्कि संगठन को मजबूत करने में भी गंभीरता दिखा रहे हैं । स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे आने वाले समय में शिवसेना (शिंदे गुट) के लिए राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करेंगे ।